

9482

1/14

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 1,42,68,954/- रुपये ।

स्टैम्प पेपर -प्रश्नगत भूमि के क्रय हेतु किये जा रहे निबन्धन में कर एवं निबन्धन विभाग की अधिसूचना संख्या-क0नि0-5 893/ ग्यारह 2010 500 (83) 2005 दिनांक 06 मई 2010 की व्यवस्था के अनुसार संबंधित विकासकर्ता कंपनी/कन्साशियम (क्रेता) स्टैम्प ड्यूटी से छूट के लिये पात्र है।

यै कि रविन्द्र चौपरी पुत्र श्री जयप्रकाश निवासी-ग्राम दुर्गाई परगना व महमोल तहसी जिला गोंतमपुरनगर (फरीक अज्जल /क्रेता) ।

एवम

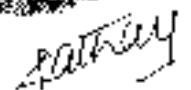
नैसर्ग रुपन चड्ढा आई टेक डेवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सेंटर न्यू फंडेस कार्लोनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अन्वदत्त पाठक, निवासी-33, कम्यूनिटी सेंटर न्यू फंडेस कार्लोनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी (फरीक दायन/क्रेता)



For JPRAL CHADHA HEREIN DIRECTED BY LEO

Authorised Signatory







142, 68, 954/- 12000/-

252
100252 600
रविन्द चर्चा
जगदीश 25
कुमार 25
2/8/10

[Signature]

2/8/10

पं. 1.

142, 68, 954/- नि. जे. ए. ए. ए.

रविन्द चर्चा (उपलब्ध) के
अधीन लेनी के उपलब्ध है
जगदीश द्वारा भी रिपय (87. 2014) में
No 33 कम्प्यूटरी लेटर में नि. जे. ए. ए. ए.
नहीं पाए जाय

(2)

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम दुरवाई परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (3040), कृषि भूमि खाता नं० 205 के खसरा नं० 348मि. रकबई 1.3260 हेक्टे० का सम्पूर्ण भाग का प्रथम पक्ष विक्रेता अनुसार खतौनी 1411 1416 फसली पूर्णतया स्वाभी व विक्रय अधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर कागजात दर्ज है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया जा रहा है।

(2) विक्रोत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 85,00,000/-रुपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन प्रथम पक्ष ने सौदा द्वितीय पक्ष से 1,07,60,900/-प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 1,42,68,954/-रुपये (एक करोड़ च्यालीस लाख अड़सठ हजार नौ सौ चत्वन रुपये मात्र) में तय है।

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, धक्का, पट्टे आदि की तथा निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति नहीं है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का मर्यादापूर्वक अनुपालन किया गया है।

[Handwritten signature]
C. J. [illegible] [illegible]

46th U

१. गोविन्द लाल
 २. सुप्रीम २१ जिती
 ३. सुप्रीम २१ जिती
 ४. जयकी हि
 ५. जयकी हि जयकी हि
 ६. जयकी हि जयकी हि

७. जयकी हि
 ८. जयकी हि
 ९. जयकी हि
 १०. जयकी हि

Wills

Wills

१. जयकी हि
 २. जयकी हि
 ३. जयकी हि
 ४. जयकी हि
 ५. जयकी हि
 ६. जयकी हि
 ७. जयकी हि
 ८. जयकी हि
 ९. जयकी हि
 १०. जयकी हि

Anil Kumar



Wills

Wills

02/01/0

(3)

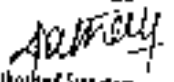
(4) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

(5) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक, भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है। कहीं अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नहीं है। और न उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का ड्यूज है। इस विक्रय भूमि से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णित आदेश का क्रियान्वयन ही लम्बित है।

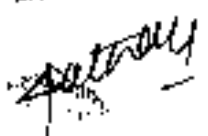
(6) विक्रीत मिल्कियत उक्त के-विक्रय में कोई दोष व त्रुटि नहीं है हर प्रकार के बाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /वर्णिलिखित भूमि के संबंध में मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है और न ही कहीं चोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संबंध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होंगे




FOR UPVAL CHAPRA M-153H DEVELOPERS PVT LTD


Authorized Signatory





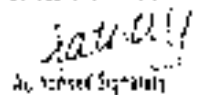


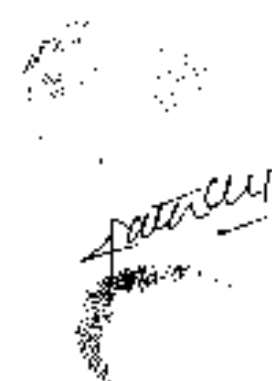
(4)

(7) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता नं० 205 के खसरा नं० 348मि. रकबई 1.3260 हैक्टे० स्थित ग्राम दुरयाई परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर उसके अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एवं अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसों की आवश्यकता है तथा हमे अपनी उक्त भूमि की उचित कोमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है और आज की तारीख में विक्रय मैसर्स उण्डल चंदला हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33, कम्प्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्प्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बेच कर दिया है यानि कतई बेच दिया है। भूमि का सौदा 10760900/- रु० प्रति हैक्टेयर में हुआ है जिसमें से 6014250/- रु० प्रति हैक्टेयर की दर से नकद भुगतान बखर्कत जैनामा किया गया तथा शेष 4746650 रु० प्रति वर्ग मीटर की दर धनराशि का भुगतान नकद न करके शेष भुगतान 62,94,058/-रु० 10 महीने में देना तय हुआ है के लिये पी. डी. सी. (Post Dated Cheque) चैक नम्बर 260012 धनराशि 62,94,058/ रु० दिया जाता है ।



For Official Use Only - Do Not Write Here


As Witness/Signatory





(5)

(8) विक्रय भूमि का कच्चा भौक पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः मालिक कागज दाखिल बन गये हैं उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहें वैयक्तिक मालिकाना प्रयोग में लावें।

(9) विक्रेता, विक्रीत भूमि के वास्तविक समस्त कागजात में बजरिये बैनभा दाखिल खारिज मालकागजट में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुद्रा फरीक अव्वल में करा सकते हैं, मुद्रा फरीक अव्वल को कोड एराज नहीं होगा।

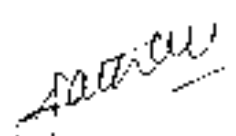
(10) अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके पूर्य धन तथा किसी अंश में विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संवध बाकी नहीं रहा और न कभी रहेगा।

(11) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकल और निक्ला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से उठा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दवांदाती या किम्मे काबुतो नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कच्चे मालिकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से



CC-0/2019/2019/2019/2019/2019

20/11/2019





(6)

अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशियों को भय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता आरिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल कर सकते हैं जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

(12) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है। क्रेता कम्पनी का पैन नं० AAACU7200M है।

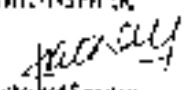
(13) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आये।

(14) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबाई 1.3260 हैक्टेयर, खाता नं० 205 के खसरा नं० 348मि. स्थित ग्राम डुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के नियमित निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:

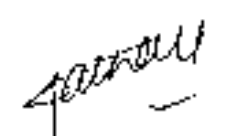
(15) एक्सेस बैंक लि० अम्बेडकर रोड नेहरू नगर गाजियाबाद ब्रान्च बैंक नम्बर 260011 अंकन-79,74,896/-रूपये (उनयासी लाख चौहत्तर हजार आठ सौ छियानवे रूपये मात्र) दिनांकित 02-08-2010 फरीक अव्वल द्वारा अंतिम

For UPPM CR4614 • ITC • D11121185PHI JMC


Authorized Signatory











(1)

रूप से प्राप्त कर लिखे गये हैं।

Q. M.

WNI

। हस्ताक्षर/निशानी अंगठपे

फर्ग्युसन, अल्बर्ट । विद्वान ।

[illegible]
$$4.91 \times 10^{-2} \text{ g} \cdot \text{mol}^{-1} \cdot \text{cm}^{-1}$$

(हस्ताक्षर/निशाना अंगूठा)

फरीक दाग्ग (क्रैता)

स्वाह नं० १ प्रतीक कालिका

Paul Green

-मीनेन प्रसार डा. जी. एच. प्रसाद-

निष्पन्न दुःखपाई-गौरी नारायण

गवाह: -10 2

जापतार सिंह डांगरी कदपडा सिंग

नि. अ-54 गुणित-मार्ग-मार्ग



गहरांग दिनांक 02.08.2010 गलौडाकर्त तेजेंद्र सिंह एडवोकेट भाजिवाबाद

4. The following are the results of the analysis of variance for the effect of the treatment on the response variable:

प्राप्ति दिनांक 2/8/10 को फांसेटे 2
 प्रतिपुस्तक संख्या 2860
 केष्ठ 31/8/2
 पर क्रम संख्या
 पर विहीनित किया गया।

उपनिषद
 दादरी

उत्तर प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण - पत्र (प्रारूप प्रथम)

आदेश संख्या : उत्तर प्रदेश राजपदरी/2008-014903

दिनांक : 27/12/2008

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **रविन्द्र गुप्त/पुत्री/पत्नी श्री जयप्रकाश** निवासी नकान नम्बर 111
मकान नं. **दुरियाई** तहसील **दादरी** जनपद **गौतमबुद्ध नगर**, उत्तर प्रदेश राज्य की जाट (पिछड़ी जाति के
वर्गीकृत है (यदि नहीं तो खण्ड लोक सेवा (अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण)
अनुसूचित जाति (यदि संशोधित) का अनुसूची एवं वर्ग निर्धारण प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **रविन्द्र** पूर्ववत अधिनियम 1954 (यदि संशोधित)की अनुसूची दो
(लोक सेवा लोक सेवा) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण (संशोधन)
अधिनियम 1954 द्वारा संशोधित की नहीं है। इनके माता पिता की निम्नलिखित तीन वर्ष की अवधि के
लिए कुल नगरीय आय तीन लाख रुपये या उससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धन जब अधिनियम 1957 ने तथा
विशेष कृषि क्षेत्रों में अधिक सम्पत्ति नहीं है।

यह प्रमाणित कि **अमित कुमार** जेष्ठपाल को जयरा एव आवेदक द्वारा दिए गए स्वयं पत्र के आधार पर जारी किया
गया।

स्थान : गौतमबुद्ध नगर
दिनांक : 27/12/2008

हस्ताक्षर

प्रदानकर्ता : तहसीलदार दादरी



जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/शिप्टी मजिस्ट्रेट
प्रमाण मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/अन्य गैलन भेरी मजिस्ट्रेट
यदि कोई हो/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

सेवा में

शाखा प्रबन्धक

पी. एन. डी.

छपरीला

विशय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी/प्रार्थी गण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या ३०५ खराता नम्बर ३१६०० रकबा १३२६०० स्थित ग्राम छरभरि परगना दादरी व तहसील दादरी जिला जौनपुर में। मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि में उणल चंदका हाईटेक डेवेलपर्स प्रा० लि० को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

~~आता आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें।~~

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र कुमार उपाध्यक्ष

नेम ग्राम - छरभरि

File
[Signature]

TO WHOM IT MAY CONCERN**LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT**

Dear Sir,

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you, I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl.No.	Particulars	Response		
1.	Name and Address of the owner/s	<i>Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash</i> Resident of Village Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddhanagar		
2.	Respective shares	Full share in the property		
3.	Detail of the property to be acquired	Khata No.205 Khasra No. <u>348</u> mi Area 1.326 Hect., situated at VIII- Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddhanagar Sold Area-1.326 Hect.		
4.	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right		
5.	Caste	Backward		
6.	(i) Charges or lien over the property by Bank etc.	According to khatauni no charges or lien found on sold property.		
7.	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/financer/Money Lender, if any)	NOC of PNB, Chhaparaula is annexed with file.		
8.	Details of Register search in the office of Sub-Registrar.	Search Certificate is not annexed with file.		
9.	Revenue records inspected during investigation:	1) C.H-45 2) Khatauni of fasli year 1405-1410 3) Khatauni of fasli year 1411-1416		
Document	Name endorsed	Khasra No.	Khata No.	Comments/Order
CH-45	Ajay Kumar(minor) through guardian Smt. Kusumlata wife of Late Vijay Pal Singh	348	17	Total area of the land was 10 Bigha 17 Biswa 8 Biswasni As per order dated 27.2.87 passed by ACO, Chhaparaula, the name of 1. Ravindra Kumar 2. Jitendra Kumar 3. Satendra

Office at

25, Salempur House, Quaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

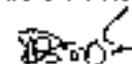
JURIX-PRO

Advocates

				Kumar 4. Anil Kumar 5. Pramod Kumar (minor) son of Sri Jai Prakash are mutated in place of Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from his 1/3 share
Khatauni fasli year 1405-1410	Ajay Kumar (minor) son of Sri Vijay Pal Singh	348	13	Vide order dated 30.08.1997 passed by Tehsildar, case no 461, the names of purchasers Ravindra Kumar Jitendra Kumar, Satendra Kumar, Anil Kumar, Pramod Kumar sons of Sri Jai Prakash are mutated in place of seller Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from 2 Bigha land of khasra no. 348mi through sale deed. Vide order dated 12.01.2001 passed by Naib Tehsildar, case no 67/01, the name of purchaser Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash is mutated in place of seller Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from his remaining share in khasra no. 348 through sale deed.
Khatauni fasli year 1411-1416	Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash	348mi	205	
10.	Specific comments	As per records available Seller has 1.326 Hect. in Khasra no. 348mi and he want to sell his full share as per proposal.		
11	Remarks	* Sale deed of Ravindra Chaudhary required to be for sale deed. On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is/are endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights.		

Date :

For-JURIX-PRO



(Benkat Ramon Singh)
Advocate

Office at
25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

ग्राम क्र.रंक : 71030115087

ग्राम का नाम : दुनवाई

जनपद : गौतमबुद्धनगर

फसली वर्ष : 1411-1416

उद्धरण खतोनी

परगना : दादरी

भाग : I

ताहसील : दादरी

खता खतोनी क्रम संख्या	खतौदार का नाम	पिता / पति / संश्लेषक का नाम	निवास स्थान	भौतिक अविकार प्राप्त्य: होने का फसली वर्ष	खाने के दल्यक गाटे की खासरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (ई. 1	खतौदार द्वारा वंद मालमूजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आशा या उम्मेद खतौदार उनको क्षेत्रमा लक्षा दिनीक सहित और आना देने जाने अधिकारी कर पद	टिप्पणी
-----------------------------	---------------	---------------------------------	-------------	---	--	--	--	--	---------

1		2		3	4	5	6	7	8
---	--	---	--	---	---	---	---	---	---

श्रेणी : 1-क भूमि जो संरक्षणीय इन्फर्ती के इन्फर्ती में है,

00204	राजद मोर्छा	वसुधामाज	न. एम	1410क	3487ग	1.32(4)	कुल ए-2 : 1.32(4)	44.50
-------	-------------	----------	-------	-------	-------	---------	-------------------	-------

प्राप्त
हस्ताक्षर

सेवा में

शाखा प्रबन्धक

उत्तर प्रदेश शासन, किसानों के
दायरे

विशय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका
खता संख्या २०५ खसरा नम्बर ३५४० रकबा १.३२६० स्थित ग्राम झांसी
परगना दादरी व तहसील दादरी जिला गोण्डा
। मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि में चम्पल घेवड़ा हाईटेक डेवेलपर्स प्रा० लि०
को देवना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण-पत्र (एन० ओ० सी०) की
आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।
अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०)
प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र कुमार

मि० दुरगा



सेवा में

शाखा प्रबन्धक

जि. एन. सी.

द. प. र. ला.

विशय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका
खता संख्या 205 खसरा नम्बर 348 रकबा 1.3260 स्थित ग्राम उदगाव
परगना उदगाव व तहसील द. प. र. ला. जिला जिला
। मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि में ० चम्पल चन्द हाईटेक डेवेलपर्स प्रा० लि०
को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की
आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।
अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०)
प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र चौधरी शा. अ. प्र. ला.

कि. - द. प. र. ला.



आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT

भारत सरकार
GOVT. OF INDIA

RAVINDER CHAUDHARY

JAI PRAKASH SINGH

05/07/1981

Permanent Account Number

ADWPC8325N

Signature



आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT
राष्ट्र सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

RAVINDER CHAUDHARY
JAI PRAKASH SINGH
05/07/1961
Permanent Account Number
ADVPC8326N



विक्रय पत्र

बेनामा 6,00,000/-रु०

स्टाम्प 85,300/-रु०

8,93,000/-रु० सर्जिल रेट अनुसार

मैत्रि अजय कुमार पुत्र श्री विजयपाल निवासी ग्राम हरियाण परगना व तहसील

दादरी जिला गौतमबुद्धनगर परीक अवधल विक्रेता

सबम

रविन्द्र बांधारी पुत्र श्री जय प्रकाश निवासी ग्राम हरियाण परगना व तहसील

दादरी जिला गौतमबुद्धनगर परीक बायम विक्रेता

जो फरीक अवधल विक्रेता निम्नलिखित अवधल सम्पत्ति का पूर्ण स्वामी हूँ जो आज दिन तक फरीक अवधल विक्रेता की ओर से प्रत्येक प्रकार के कर्ज सरकारों व गैर सरकारी आदि से मुक्त है किसी अन्य स्थान पर आका रहना, यथ, हिबरा, भाहवा, बैंक लोन, सीलिंग व जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है किसी प्रकार के पट्टे, एडि की भूमी नहीं है यानि हर प्रकार के ऋण साफ है जिसमें फरीक अवधल के अतिरिक्त अन्य कोई भागीदार नहीं है किसी का नहीं है जिसको विक्रय करने की बाबत फरीक अवधल को पूर्ण अधिकार प्राप्त है और फरीक अवधल के पूर्ण रूपेण कब्जे व अधिकार में है जिसकी फरीक अवधल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व चिन्ता की दशा में खूब सोच समझकर दिना दवाब या बहकाव के आज की बाजार कीमत के बदले अंकन ।

मूल 6,00,000/-रु० आधे 3,00,000/-रु०

रु० होते हैं मैं बहक फरीक दोयम कंता उक्त को बेम दी तथा बय कतई कर दूँ । फरीक अवधल ने सम्पूर्ण विक्रय धन राशि निम्नलिखित अनुसार प्राप्त कर ली है अब फरीक अवधल ने त भूमि पर कब्जा फरीक दोयम का पूर्ण रूप से कर दिया है । अब फरीक अवधल तथा उत्तराधिकारिक स्थानापन्तों का विक्रय सम्पत्ति से कोई बाधा किसी भी किसम का बकाया नहीं रहा है तथा न ही भविष्य में । यदि फरीक अवधल के स्वत्व या अधिकार के आभाव के कारण या किसी भागीदार उत्पन्न होने के । अथवा किसी कर्ज आदि के कारण यदि विक्रीत सम्पत्ति का कोई अंश कब्जे फरीक दोयम कंता से न जाता है तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को पूर्ण हक होगा कि वह अपना दिया हुआ कुल विक्रीत धन रूढ़ कानूनी व्याज सहित फरीक अवधल की बही सम्पत्ति चल व अचल से चारे जिस प्रकार पसूल ~~दस्तावेजों में अचल को व सरसम को कोई ऐतराज नहीं होगा ।~~

अतः यह विक्री पत्र लिख दिया कि प्रमाण

विक्री अदासगी जरे समन रु० 6,00,000/-रु० इस प्रकार प्राप्त किया

रु० 4,90,000/-रु० अजरिय डाफ्ट 227897 दिनांक 4-11-2000

पेदाय नैदानन बैंक गाजियाबाद द्वारा रु० 1,10,000/-रु० पैराग्राफ मार्सिफिके वियरण सम्पत्ति जो विक्रय की गई है स्थित

ग्राम हरियाण परगना दादरी जिला -

५४

11/11/2000

[Signature]

600000
 892000
 बैनामा फौस रजि०
 हजारत 20 योग 5020 शब्द लगभग 600

श्री 375/1/2011/.....
 व धर्म विचारधारा
 5 रिपार्ड 61527.
 गोखल इन्ह यन्त्र से काट दिवाक 6111/2000
 बतल वन 12/.....
 6111/2000 34 जय कुमार

लेखक अब इसमें लिखें
 जरे वदन मु 600000
 जिसमें
 कर उक्त की
 1 कामीक ले 2 बिड लीकरी 80 जप 5412/1/2000
 3 जल ने लीकरी



0188 214677

128

गोतमकुमार मे शांत संध्या 13 के शहर नो 348 खंबा 7-4-18 सुबत

उम जय कुमार

Sumy

काशी

MON

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

5/11/2011

व श्री

शुभ श्री १०८ श्री गणेशाय नमः

11

24

१५/१२/२०१६



206
206/206

5/11/2010

साक्षी भ
संगठन नि

2/11/2016



भारतीय गैरन्यायिक

01BB 214676

134

मे से अपना सम्पूर्ण रकबा 5-4-18 9957 रु.मि को हस्त बनामग राजा मे

अजय सुगार

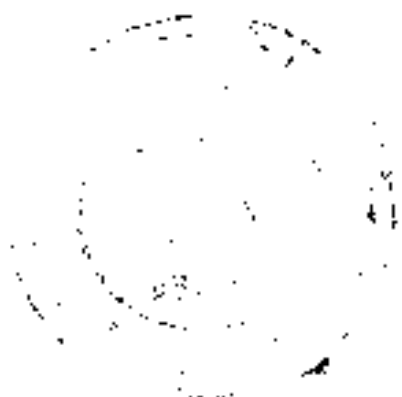
Singh

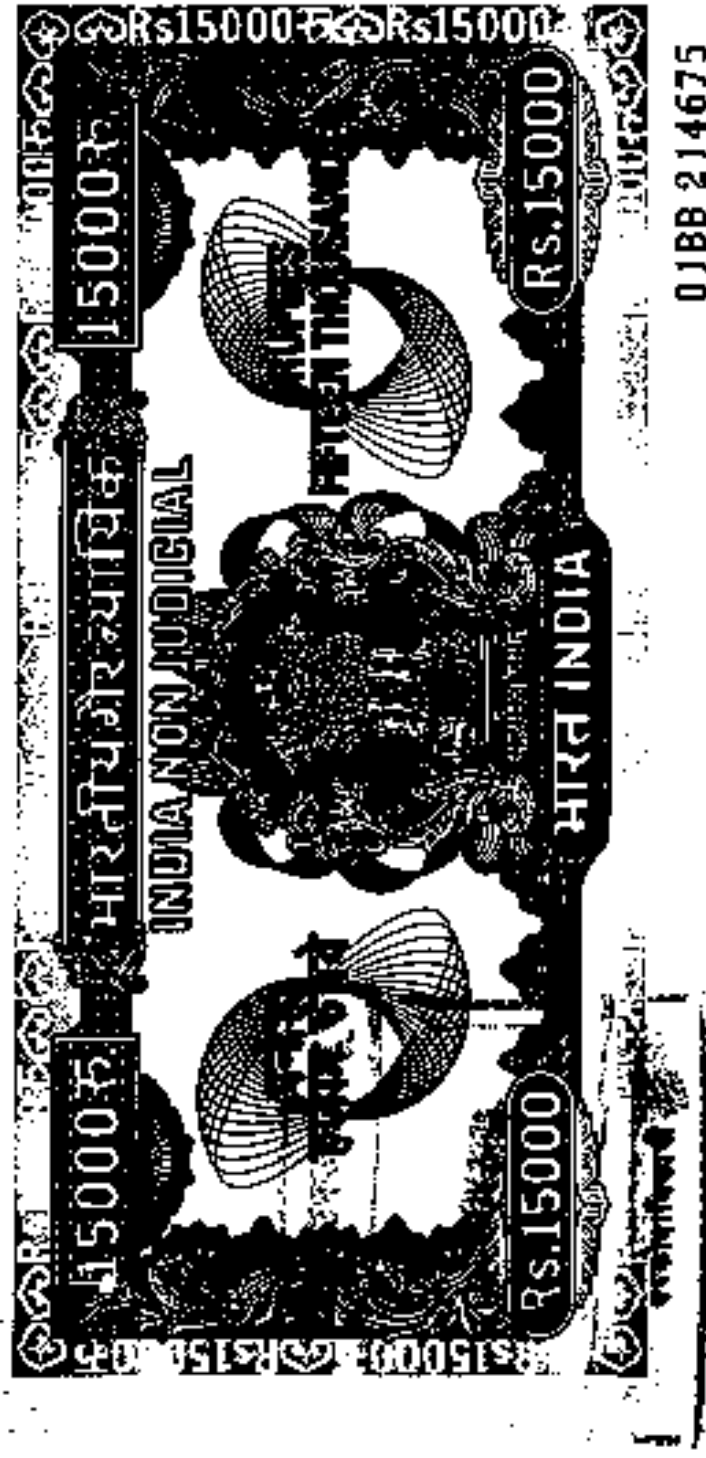
समर्पित उप कोषागार

दादरी

4 NOV 2011

समर्पित नं० 17 कोषागार
समर्पित नं० 16 कोषागार





१५६

बेदा गया है। विद्वित भट्टि की विस्म जमीन निविदा है। विस्म सर्फिल

अजय कुमार

Sunny

सुभाषचंद्र बोस संग्रहालय

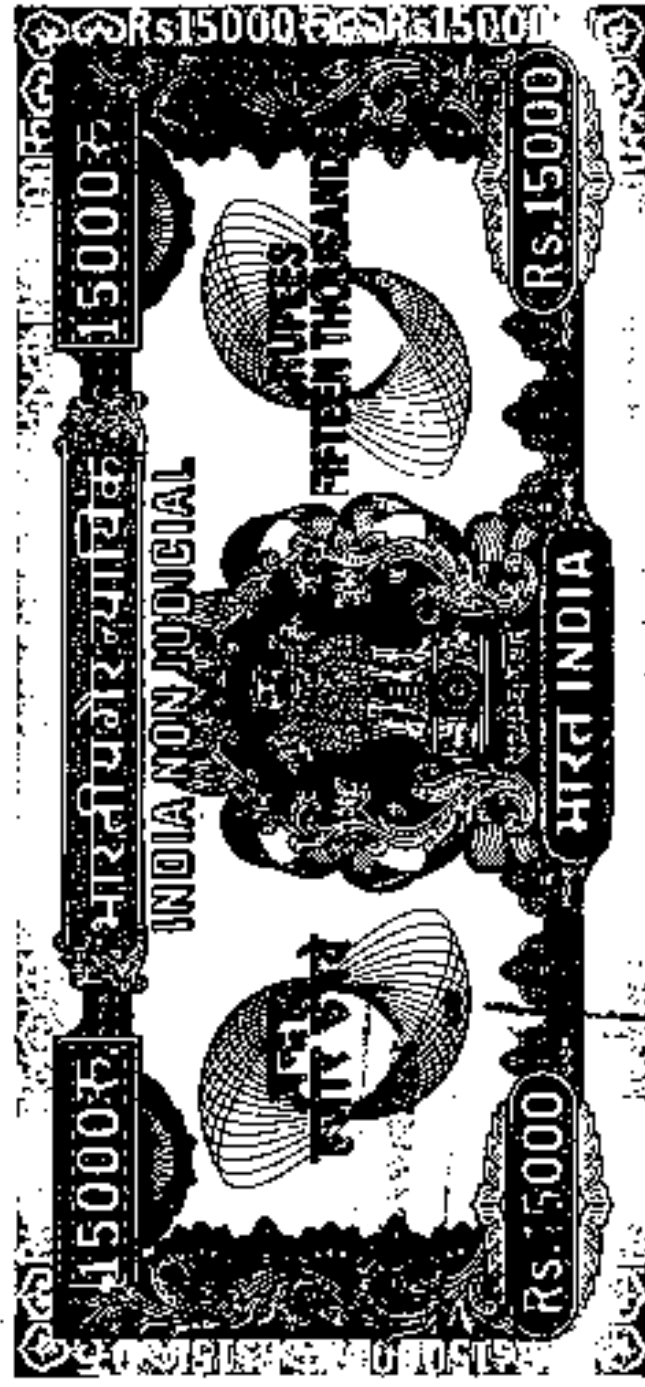
द्विः

007 AGN 7

.....

[illegible]

सुदृढविनिर्मा



01BB 214674

१५४

रु 1,70,000/-को प्रति बीघा सुखी है। जिसके अनुसार स्टाम्प अदा किया

श्री अश्व कुमार

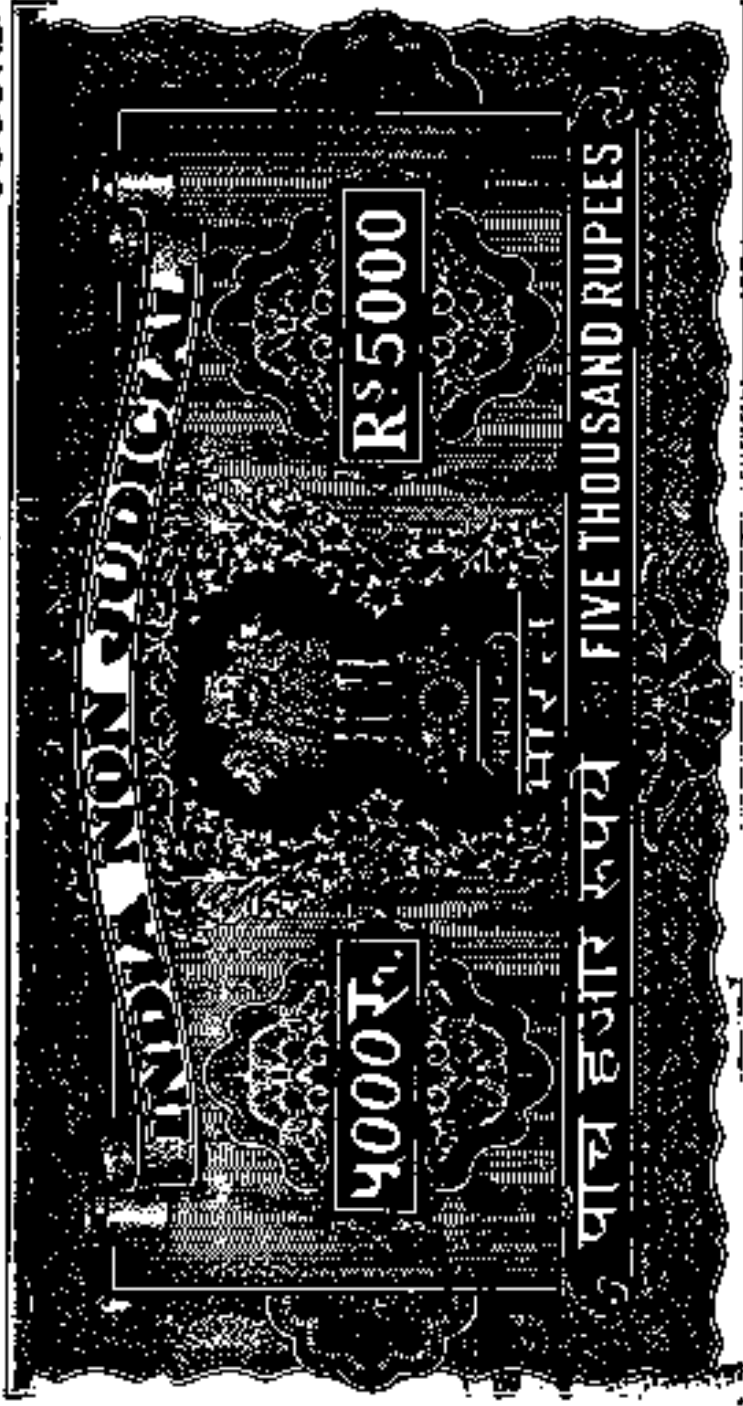
Sanjay

संस्कृत-विभाग
मुद्रा
६ अक्टूबर २००३
संख्या नं. २८००/१६००
संख्या नं. १६००/२८००
१२/१०/०३

१२/१०/०३

१२/१०/०३

5000Rs.



एकपञ्चाशतिरुपयः

४७६

अनुसूचित जाति व जनजाति से नहीं है। विभिन्न स्थिति ग्राम समाज में मान पड़े

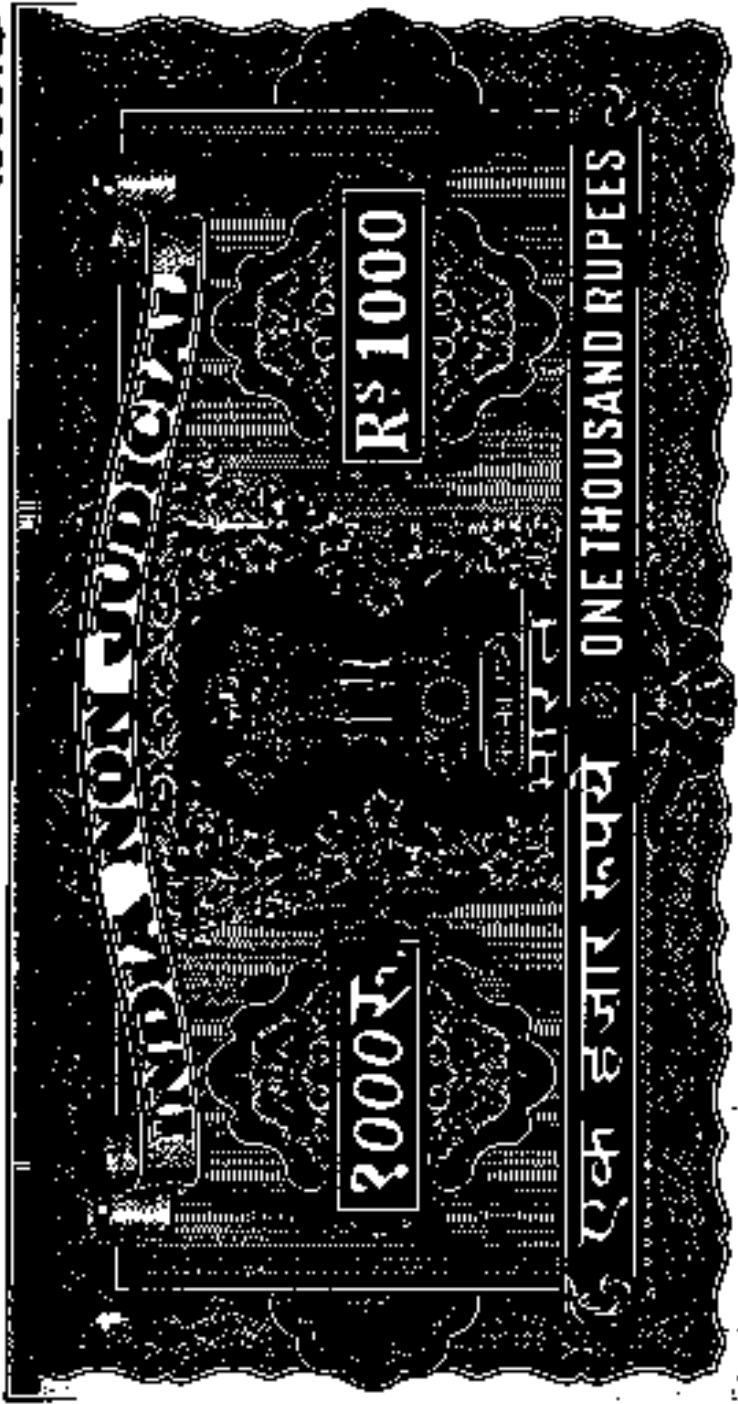
अजय कुमार

Ajay Kumar

REPORT TO THE BOARD OF DIRECTORS
ON THE PROGRESS OF THE WORK
DURING THE YEAR 1916
J. H. HARRIS, President
J. H. HARRIS, Secretary
J. H. HARRIS, Treasurer
J. H. HARRIS, Chairman of the Board
J. H. HARRIS, Vice-President
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Finance
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Administration
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Education
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Research
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Publications
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Correspondence
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Honorary Members
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Life Members
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Correspondence
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Honorary Members
J. H. HARRIS, Chairman of the Committee on Life Members



1000Rs.



0272

181

आदि की नहीं है। विहित मयि की बाका प्रदि मे

अजय कुमार

ajay

Quesada

6 1/2

1000

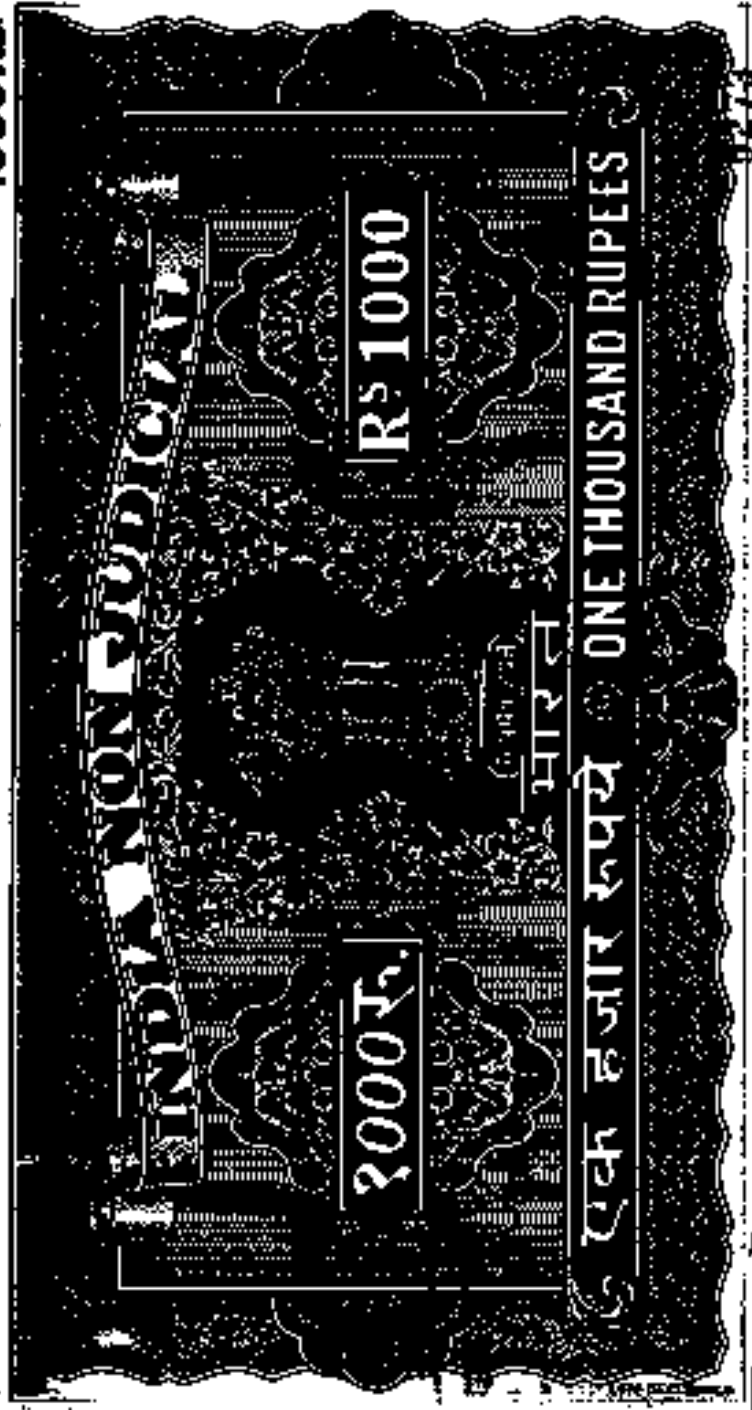
St. George

St. George

St. George



1000Rs.



एक हजार रुपये

191

कोई छद्मरनामत महायन्त्रावय नहीं हुआ है।

अजय कुमार

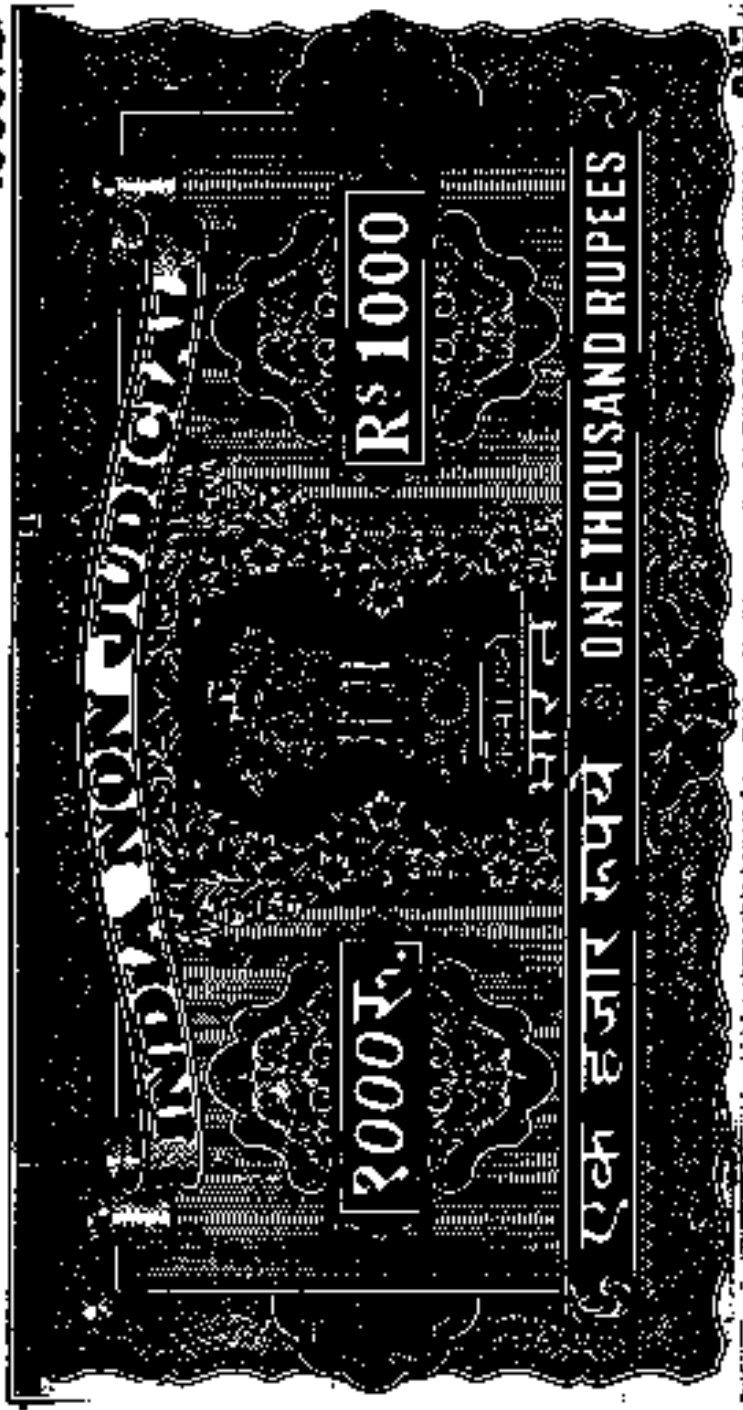
Ajaya Kumar

2 1/2 1000
1 1/2 1000
1 1/2 1000



1 1/2 1000
1 1/2 1000
1 1/2 1000

1000Rs.



₹100

चिह्नित दशमि मुख्य मार्ग से लगाना एक किलोमीटर

अन्य दुर्गम/र

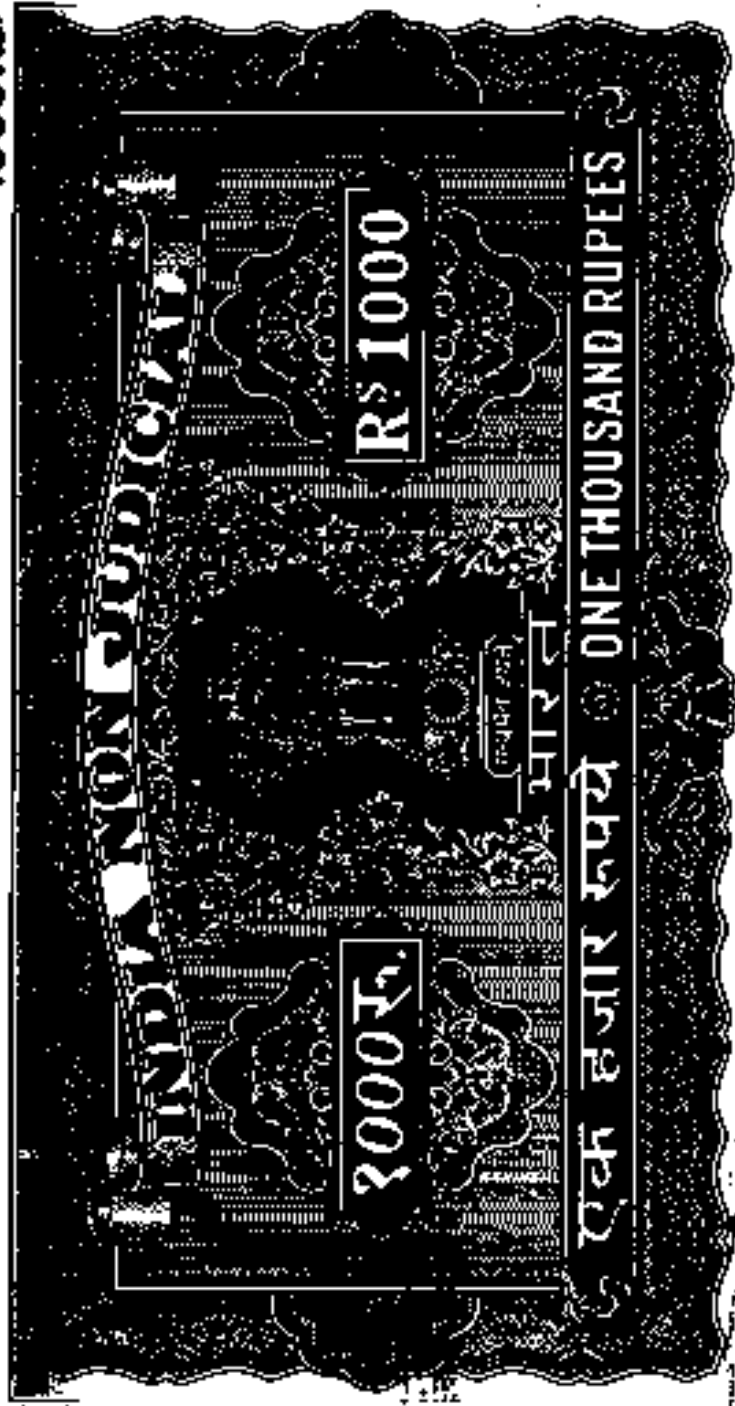
Sunny



3 | 11
1000
1000

(1)

1000Rs.



0275

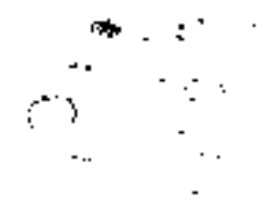
1111

की दूरी घर बैंगल में स्थित है। विजिता

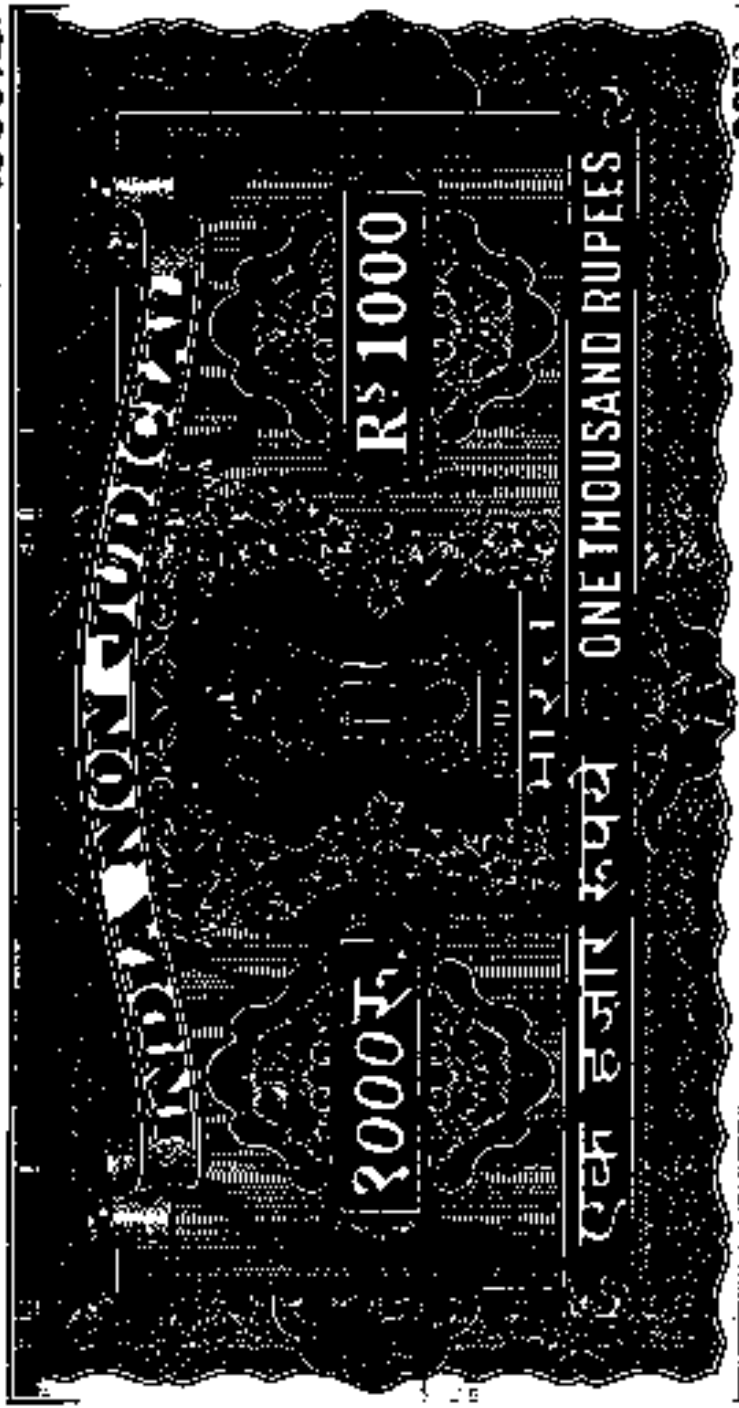
अजय कुमार

ajay

4 1 6 $\frac{11}{2}$ 1000 1000
8



1000 Rs.



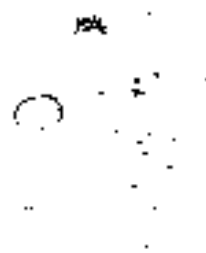
[12]

मृमि मे सेवा सहायता ८ मेन्ड भिमान है।

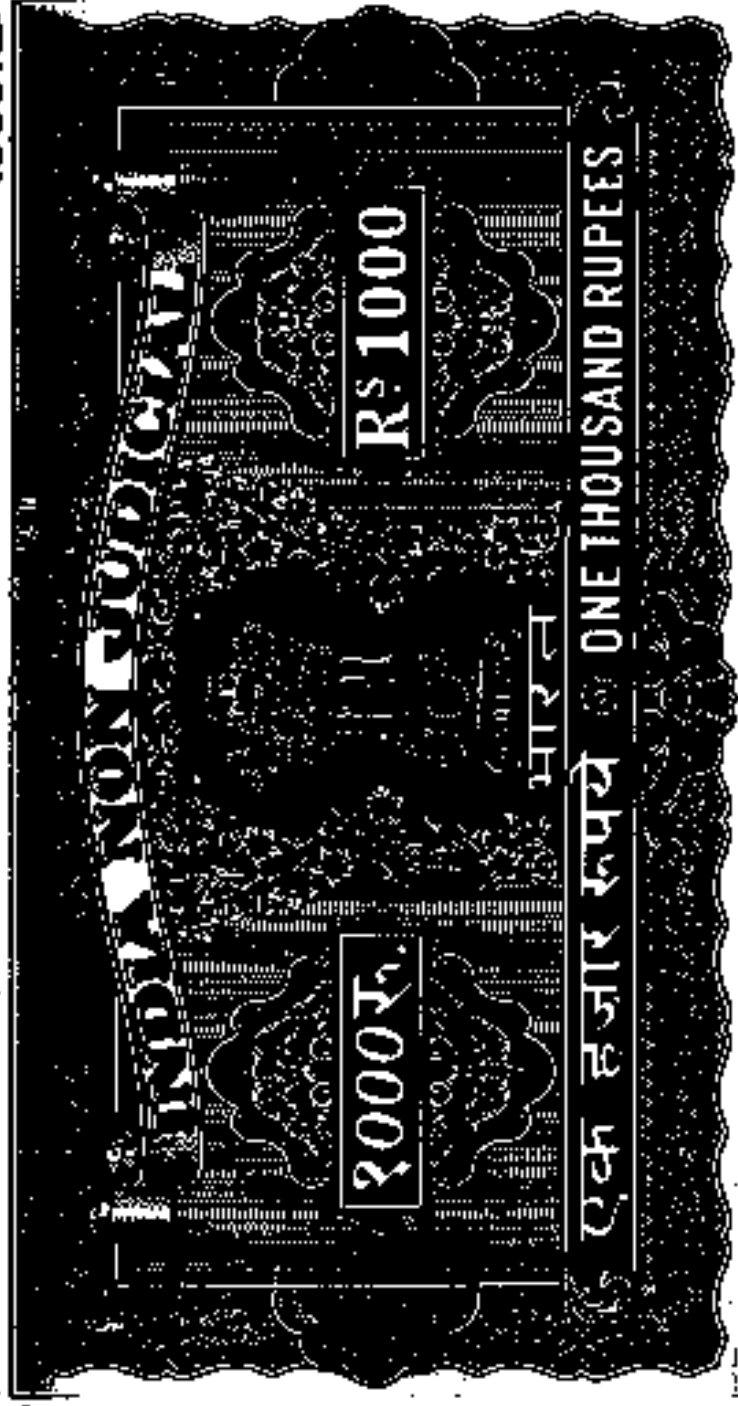
अन्य कृपार

Smiley

5 1 11 1000
1 8900 1000
1000



1000Rs



0277

131

मिडिया मगमि को वास्तो इफिट बेदा स्या हे।

उजय सुगर

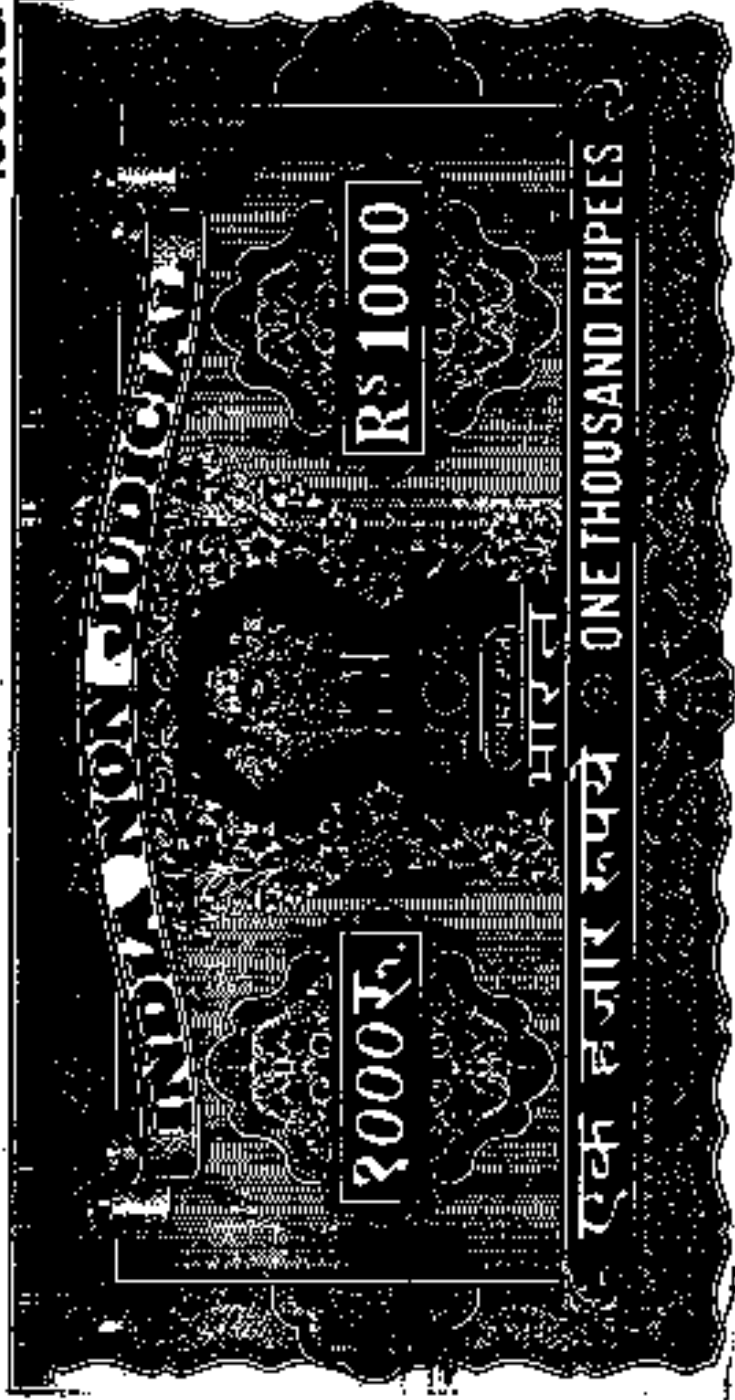
Sunny

6
1
6
28
100



1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

1000Rs.



भारतीय रिज़र्व बैंक

0278

1141

विशेष रुपि सम्पत्ति रुपि धरि हे।

अक्षय कुमार

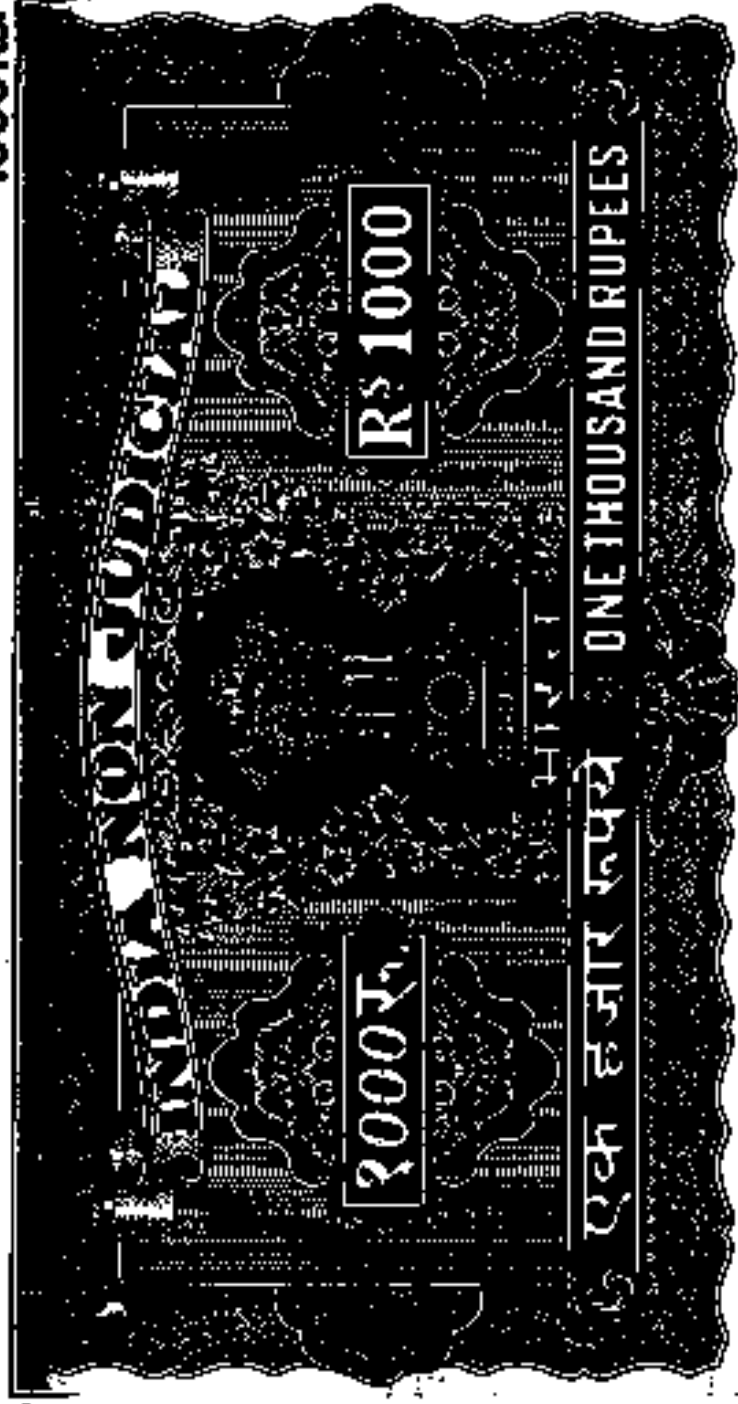
(Signature)



For 6 1/2 years
Geo. 1000

Geo. 1000

1000Rs.



0279

8154

चिन्ति मूभि का दाखिल दाखिल बसक जेता

अजय कुमार

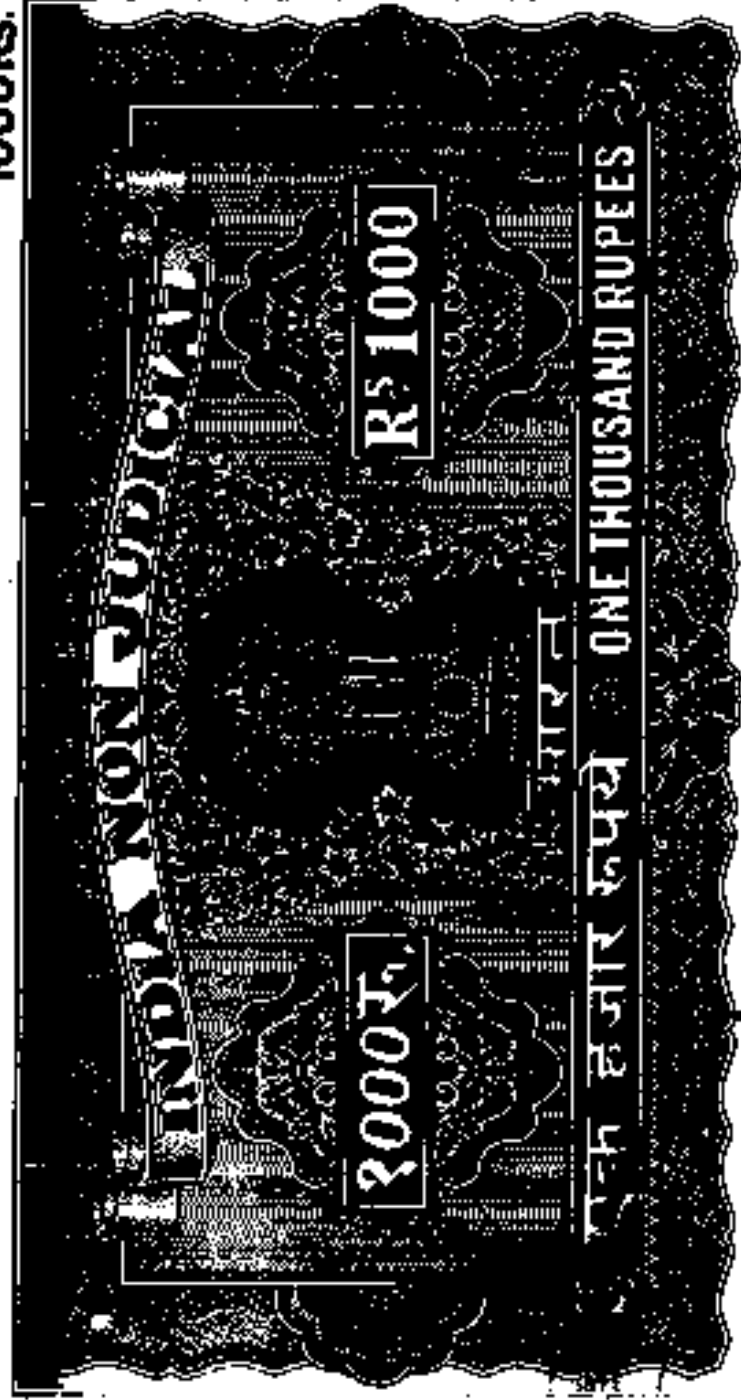
family

8. 16 June 1900
D. H. S.
D. H. S.



8. 16 June 1900
D. H. S.
D. H. S.

1000Rs.



0434

168

राष्ट्रीय नकल

के माल सखादी कागजातों पर दिया जायेगा या प्रता बजरीये

अजय सुगार

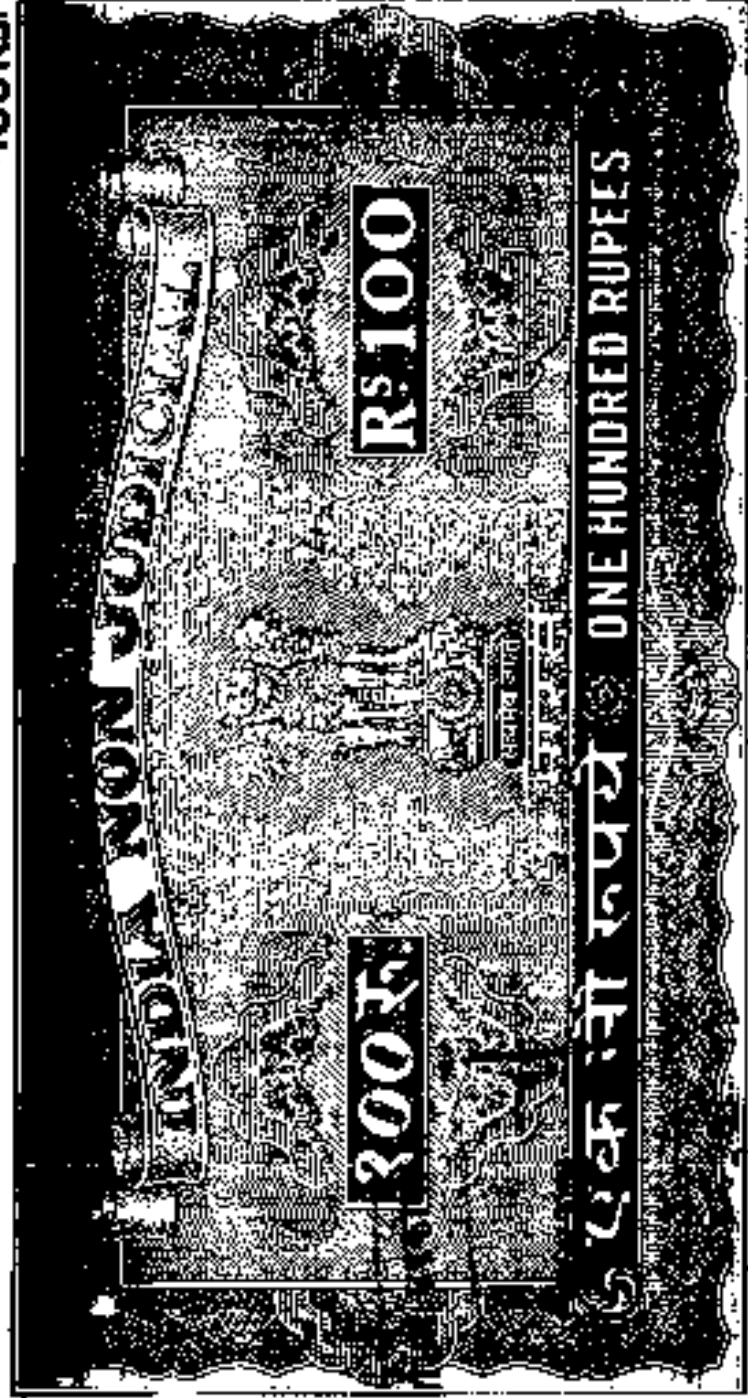
ajay

(श्रीसः २००३)



..

100Rs.



३१७३

बेनामा स्वयं दाहि न कारिख कराले तो मुझे व मेरे परिवार

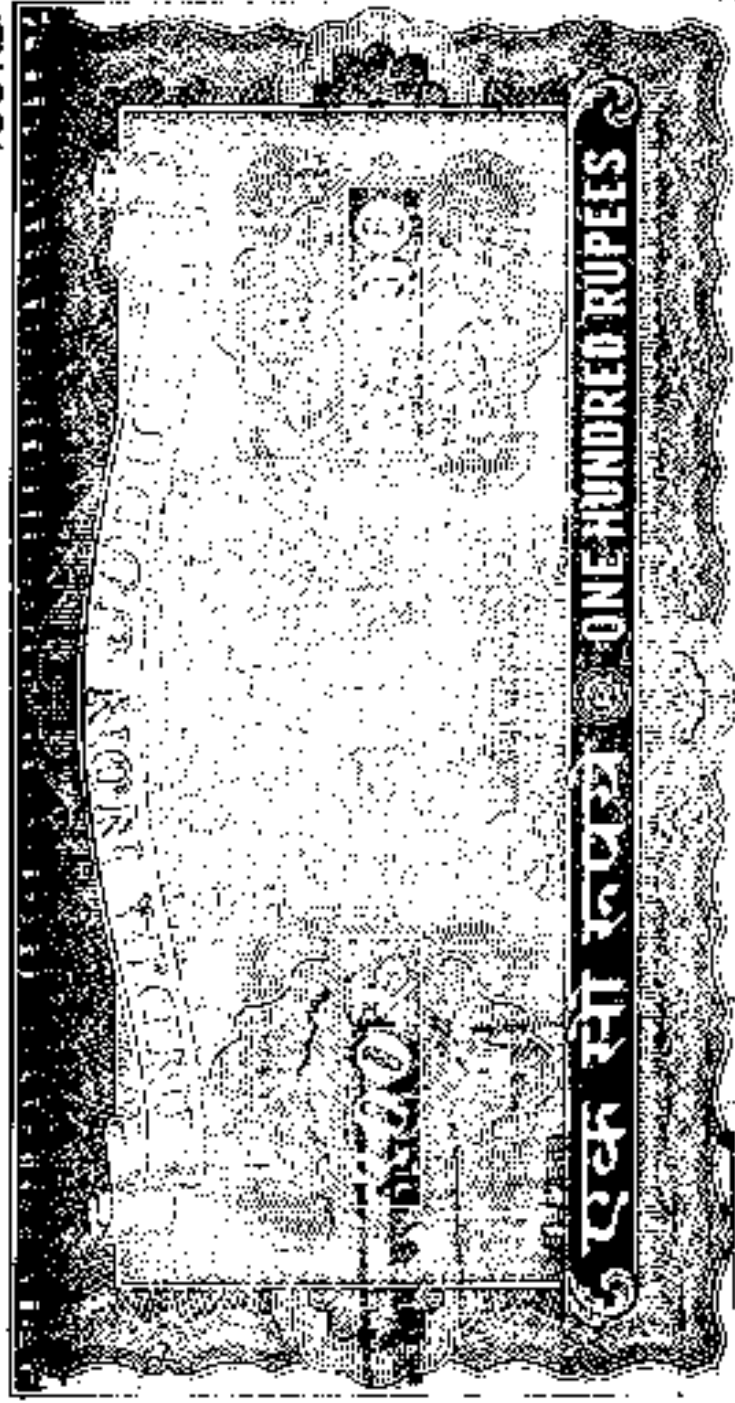
अनन्त कुमार

Signature

10/10/63
(10/10/63)



100Rs.



181

को कोई साराब नहीं होगा।

अजय कुमार

ajay

1-1-63
(1) 1-1-63
A



۱۵۲



AmB

ST. LOUIS, MO.
JAN 10 1963
(11/10/63)

12-2-2001
114 116

1269 331 1355
1817 2439 1486
12/11/2000